QB365-Question Bank Software

Series JSR/1 | Set 2

कोड नं.
Code No. **4/1/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

संकलित परीक्षा –II
SUMMATIVE ASSESSMENT-II
हिन्दी
HINDI
(पाठ्यक्रम ब)
(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे] | *[अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours] | *[Maximum marks : 90*

निर्देश:

1. *इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं–क, ख, ग और घ।*
2. *चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*
3. *यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।*

[P.T.O.

QB365-Question Bank Software

खंड 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×4=8

वह जागता है
रात के सन्नाटे में
दिन का कोलाहल उसे सोने नहीं देता
वह अरमानों को सँजोता है और
सिर्फ अपने लिए जीता है।
रात के सन्नाटे में वह सोच पाता है, विवेक को जगा पाता है
तभी तो दिन को बर्दाश्त कर पाता है !
वह परेशान है दिन के कोलाहल से,
वही ढोंग, दिखावा, झूठे रिश्ते,
छल, छद्म और पाखंड दम घुटता है उसका
इसीलिए जागना चाहता है
रात के सन्नाटे में।

(क) काव्यांश में दिन और रात किस बात के प्रतीक माने गए हैं?

(ख) विवेक किसे कहा जाता है? कवि का विवेक कब जागता है?

(ग) कवि को दिन में परेशानी क्यों होती है?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए : ''तभी तो दिन को बर्दाश्त कर पाता है ! ''

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×6=12

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहाँ एक तरफ भौतिक समृद्धि अपनी ऊँचाई पर है, तो दूसरी तरफ चारित्रिक पतन की गहराई है। आधुनिकीकरण में उलझा मानव सफलता की नित नई परिभाषाएँ खोजता रहता है और अपनी अंतहीन इच्छाओं के रेगिस्तान में भटकता रहता है। ऐसे समय में सच्ची सफलता और सुख-शांति की प्यास से व्याकुल व्यक्ति अनेक मानसिक रोगों का शिकार बनता जा रहा है। हममें से कितने लोगों को इस बात का ज्ञान है कि जीवन में सफलता प्राप्त करना और सफल जीवन जीना, यह दोनों दो अलग-अलग बातें हैं। यह ज़रूरी नहीं कि जिसने अपने जीवन में साधारण कामनाओं को हासिल कर लिया हो, वह पूर्णत: संतुष्ट और प्रसन्न भी हो। अत: हमें गंभीरतापूर्वक इस बात को समझना चाहिए कि इच्छित फल को प्राप्त कर लेना ही सफलता नहीं है। जब तक हम अपने जीवन में नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों का सिंचन नहीं करेंगे, तब तक यथार्थ सफलता पाना हमारे लिए मुश्किल ही नहीं, अपितु असंभव कार्य हो जाएगा, क्योंकि बिना मूल्यों के प्राप्त सफलता केवल क्षणभंगुर सुख के समान रहती है।

कुछ निराशावादी लोगों का कहना है कि हम सफल नहीं हो सकते, क्योंकि हमारी तकदीर या परिस्थितियाँ ही ऐसी हैं। परंतु यदि हम अपना ध्येय निश्चित करके उसे अपने मन में बिठा लें, तो फिर सफलता स्वयं हमारी ओर चलकर आएगी। सफल होना हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, परंतु यदि हम अपनी विफलताओं के बारे में ही सोचते रहेंगे, तो सफलता को कभी हासिल नहीं कर पाएँगे। अत: विफलताओं की चिंता न करें, क्योंकि वे तो हमारे जीवन का सौंदर्य हैं और संघर्ष जीवन का काव्य है, कई बार प्रथम आघात में पत्थर नहीं टूट पाता, उसे तोड़ने के लिए कई आघात

करने पड़ते हैं, इसलिए सदैव अपने लक्ष्य को सामने रख आगे बढ़ने की जरूरत है। कहा भी गया है कि जीवन में सकारात्मक कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

(क) मनुष्य के मानसिक रोग और अशांति का कारण किसे माना गया है?

(ख) सफलता पाना और सफल जीवन जीना दोनों बातें अलग कैसे हैं?

(ग) गद्यांश में जीवन का सौंदर्य और संघर्ष किसे बताया गया है? क्यों?

(घ) पत्थर का उदाहरण क्यों दिया गया है?

(ङ) वास्तविक सफलता पाने के लिए क्या आवश्यक है और क्यों?

(च) आशय स्पष्ट कीजिए : ''संघर्ष जीवन का काव्य है।''

खंड 'ख'

3. शब्द और पद में क्या अंतर है? उदाहरण सहित समझाइए। 1+1=2

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×3=3

(i) जब-जब प्राकृतिक आपदा आती है, लोग दिल खोलकर सहायता करते हैं। (रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए)

(ii) शिक्षक के आते ही वहाँ सन्नाटा छा गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(iii) लाल कमीज पहनकर आने वाला व्यक्ति मेरा पड़ोसी है।
(मिश्र वाक्य में बदलिए)

5. निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=2

(क) कर्मफल, हिसाब–किताब

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए : 1+1=2

मिट्टी जैसा मैला, हाथ से बनाया हुआ

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1×4=4

(क) फलों का रस मेरे को नहीं पीना।

(ख) कृपया आप यहाँ से जाने की कृपा करें।

(ग) हमारे घर में आज बहुत सा मेहमान आया है।

(घ) उसे बैंक से रुपए निकालने चाहिएँ।

7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाय : 1+1=2

सिर मारना, मुट्ठी गरम करना।

खंड 'ग'

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) ख्यूक्रिन कौन था? उसने मुआवजा पाने की क्या दलील दी?

(ख) 'गिन्नी का सोना' पाठ में शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है?

(ग) सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या उद्देश्य था?

9. 'गिरगिट' कहानी के इस शीर्षक के औचित्य पर अपने विचार विस्तार से व्यक्त कीजिए। 5

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

अकसर हम या तो गुजरे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए।

(क) गद्यांश में लेखक ने किन बातों में उलझे रहने की बात कही है?

(ख) आशय स्पष्ट कीजिए : ''असल में दोनों काल मिथ्या हैं''।

(ग) लेखक ने सत्य किसे कहा है और क्यों?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) बिहारी ने जगत को तपोवन क्यों कहा है और इससे क्या संदेश देना चाहा है?

(ख) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' में कवयित्री के दीपक से ज्वाला-कण कौन माँग रहे हैं और क्यों?

(ग) 'आत्मत्राण' कविता में कवि किससे और क्या प्रार्थना करता है?

12. 'मनुष्यता' कविता में कवि ने किन महान व्यक्तियों का उदाहरण दिया है और उनके माध्यम से क्या संदेश देना चाहा है? 5

13. जीवन मूल्यों के आधार पर इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला के संबंधों की समीक्षा कीजिए। 5

खंड 'घ'

14. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) देशाटन

- क्या और क्यों
- शैक्षिक महत्त्व
- साधन और सुविधा

(ख) विज्ञान के आधुनिक चमत्कार

- मानव जीवन और विज्ञान
- आधुनिक आविष्कार
- लाभ-हानि

(ग) शारीरिक श्रम

- श्रम और मानव जीवन
- लाभ
- सुझाव

15. बस में यात्रा करते हुए आपका एक बैग छूट गया था जिसमें जरूरी कागज और रुपए थे। उसे बस कंडक्टर ने आपके घर आकर लौटा दिया। उसकी प्रशंसा करते हुए परिवहन निगम के अध्यक्ष को पत्र लिखिए। 5

16. विद्यालय के वार्षिकोत्सव की सूचना साहित्यिक क्लब की 'प्राचीर' पत्रिका के लिए लगभग 30 शब्दों में लिखिए । 5

17. बढ़ती महँगाई के संबंध में मित्र से हुए वार्तालाप को संवाद के रूप में लगभग 50 शब्दों में लिखिए। 5

18. अपने पुराने घरेलू फर्नीचर को बेचने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

QB365-Question Bank Software

QB365-Question Bank Software

अंक–योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर–संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक–विभाजन
	1	2	3		
				खंड 'क'	
1	1	2	1		
	(क)	(क)	(क)	• अंतहीन इच्छाएँ • सच्ची सफलता और सुख–शांति की प्यास।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	• इच्छित फल को प्राप्त करना ही सफलता पाना नहीं है बल्कि जीवन में नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों का पालन करके आगे बढ़ना ही सफल जीवन जीना है।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	• जीवन का सौंदर्य है – विफलताएँ और जीवन का काव्य है – संघर्ष। • संघर्ष और विफलताएँ – दोनों ही जीवन की बाधाओं को दूर करके आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।	1+1=2
	(घ)	(घ)	(घ)	जीवन की कठिनाइयों व विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए बार–बार प्रयास करने की प्रेरणा देने के लिए।	2
	(ङ)	(ङ)	(ङ)	• संघर्ष व नैतिक तथा आध्यात्मिक मूल्य। • मूल्यों के बिना सफलता क्षणभंगुर सुख है।	1+1=2
	(च)	(च)	(च)	• जीवन का आनंद व रस संघर्ष में ही है।	2
2	2	1	2		
	(क)	(क)	(क)	• दिन–कोलाहल का प्रतीक है। • रात–शांति का प्रतीक है।	1+1=2

अंक-योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
	1	2	3		
	(ख)	(ख)	(ख)	• उचित-अनुचित की पहचान करना। • रात के सन्नाटे में।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	कोलाहल, ढोंग, छल-छद्म, झूठे रिश्तों आदि के कारण।	2
	(घ)	(घ)	(घ)	रात्रि के समय विवेक जागृत होने से ही वह दिन के कोलाहल को बर्दाश्त कर पाता है।	2
				खंड 'ख'	
3	3	3	3	शब्द एक स्वतंत्र और सार्थक इकाई है। इसके कोशीय अर्थ होते हैं, जैसे – लड़की। पद – शब्द जब व्याकरणिक नियमों में बँधकर वाक्य में प्रयुक्त होते हैं तब वे पद कहलाते हैं। ये स्वतंत्र नहीं होते हैं। इनके कोशीय अर्थ भी नहीं होते हैं। उदाहरण – लड़की पुस्तक पढ़ रही है।	1+1=2
4	4	–	–		
	(i)	–	–	उसके पहुँचते ही वर्षा होने लगी।	1
	(ii)	–	–	उसने भाषण शुरू किया और तालियों की गड़गड़ाहट से उसका स्वागत हुआ।	1
	(iii)			मैंने वहाँ एक व्यक्ति को देखा, जो हृष्ट-पुष्ट था।	1

अंक–योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
	1	2	3		
	–	4	–		
	–	(i)	–	मिश्र वाक्य	1
	–	(ii)	–	शिक्षक आए और वहाँ सन्नाटा छा गया।	1
	–	(iii)	–	जो व्यक्ति लाल कमीज़ पहनकर आया है, वह मेरा पड़ोसी है।	1
	–	–	4		
	–	–	(i)	मिश्र वाक्य	1
	–	–	(ii)	घनघोर वर्षा हुई और वहाँ के सभी रास्ते बंद हो गए।	1
	–	–	(iii)	आजकल मैं घर के सभी काम करके समय पर कार्यालय जाता हूँ।	1
5	5	–	–		
	(क)	–	–	ऋण से मुक्त – तत्पुरुष समास	½ +½ =1
				चंद्र रूपी खिलौना – कर्मधारय समास	½ +½ =1
	(ख)	–	–	धन-दौलत – द्वंद्व समास	½ +½ =1
				राष्ट्र-संपत्ति – तत्पुरुष समास	½ +½ =1
	–	5	–		
	–	(क)	–	कर्म का फल – तत्पुरुष समास	½ +½ =1
				हिसाब और किताब – द्वंद्व समास	½ +½ =1
	–	(ख)	–	मटमैला – कर्मधारय समास	½ +½ =1
				हस्तनिर्मित – तत्पुरुष समास	½ +½ =1

अंक-योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
	1	2	3		
5	–	–	5		
	–	–	(क)	पत्र द्वारा व्यवहार – तत्पुरुष समास	½ +½ =1
				शुभ है जो दर्शन – कर्मधारय समास	½ +½ =1
	–	–	(ख)	अग्निज्वाला – तत्पुरुष समास	½ +½ =1
				सेवा-सुश्रूषा – द्वंद्व समास	½ +½ =1
6	6	–	–		
	(क)	–	–	ये लोग कहाँ के रहने वाले हैं?	1
	(ख)	–	–	कृपया मेरी बात सुनें / मेरी बात सुनने की कृपा करें।	1
	(ग)	–	–	हमने उन्हें आज भोजन पर बुलाया है।	1
	(घ)	–	–	शिक्षक ने उसकी खूब प्रशंसा की।	1
	–	6	–		
	–	(क)	–	मुझे फलों का रस नहीं पीना।	1
	–	(ख)	–	कृपया आप यहाँ से जाएँ। / आप यहाँ से जाने की कृपा करें।	1
	–	(ग)	–	हमारे घर में आज बहुत से मेहमान आए हैं।	1
	–	(घ)	–	उसे बैंक से रुपए निकालने चाहिए।	1
	–	–	6		
	–	–	(क)	उसे गाय का गरम दूध पसंद है।	1
	–	–	(ख)	मैंने परीक्षा की फ़ीस जमा कर दी।	1
	–	–	(ग)	तुम्हारे चेहरे पर आज उदासी क्यों है?	1
	–	–	(घ)	मुझे पिताजी ने बुलाया था।	1

अंक-योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 1	2	3	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
7	7	7	7	उचित एवं अर्थपूर्ण वाक्यों पर अंक दिए जाएँ।	1+1=2
				खंड 'ग'	
8	8 (क)	8 (क)	8 (क)	• ख्यूक्रिन एक सुनार था। • कुत्ते के काटने के कारण एक सप्ताह तक काम का नुकसान होगा।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	• शुद्ध आदर्श शुद्ध सोने की भाँति खरे और मूल्यवान होते हैं। • जिस प्रकार ताँबे के मेल से सोने की कीमत कम हो जाती है, उसी प्रकार व्यवहारवादी लोग समाज के आदर्शों को गिराते हैं।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	• अवध की धन-संपत्ति पर अधिकार करना तथा अवध पर अपना आधिपत्य बनाए रखना।	1
9	9	–	–	पर्यावरण पर कुप्रभाव – • पर्यावरण के संतुलन का बिगड़ना • पशु-पक्षियों का आवास छिनना • मौसम-चक्र में असंतुलन – गर्मी में अधिक गर्मी, सर्दी में अधिक सर्दी, बेवक्त बरसातें • बाढ़, तूफ़ान, ज़लज़ला • नित नए रोगों का बढ़ना। • समुद्र का सिमटना। (उपयुक्त विस्तार अपेक्षित)	5

QB365-Question Bank Software

अंक-योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 1	2	3	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
	–	9	–	शीर्षक का औचित्य – • प्रतीकात्मक व अर्थपूर्ण • कहानी के मुख्य पात्र (ओचुमेलाव) का परिस्थिति के अनुसार गिरगिट की तरह रंग बदलना। • कहानी में प्रारंभ से अंत तक केंद्रीय भाव का प्रवाह। (उपयुक्त विस्तार अपेक्षित)	5
	–	–	9	प्रकृति में असंतुलन के कारण • बढ़ती आबादी • वनों का कटाव • समुद्र का सिमटना • औद्योगीकरण • मनुष्य की स्वार्थी-प्रवृत्ति मुख्य परिणाम – • प्रदूषण • मौसम-चक्र में असंतुलन • बेवक्त बरसातें • बाढ़, सूखा, तूफ़ान, ज़लज़ला • नित नए रोग • पक्षियों के आश्रय छिनना (उपयुक्त विस्तार अपेक्षित)	2½ +2½ =5
10	10 (क)	10 (क)	10 (ग)	बीते हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में या भविष्य के रंगीन सपनों में।	2

QB365-Question Bank Software

अंक-योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
	1	2	3		
	(ख)	(ख)	(क)	आशय – जो समय बीत गया है वह लौटकर नहीं आता तथा आने वाले समय के बारे में कुछ भी निश्चित नहीं है।	2
	(ग)	(ग)	(ख)	• वर्तमान समय को। • क्योंकि वर्तमान ही हमारे सामने है।	½ +½ =1
11	11 (क)	11 (क)	11 (क)	• जैसे तपोवन में सभी तपस्वी आपसी प्रेम और आपसी सद्भाव से रहते है वैसे ही भयंकर गर्मी से बचने के लिए विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु आपसी शत्रुता भुलाकर प्रेम व सद्भाव से रहते हैं। • संदेश – पारस्परिक प्रेम व सद्भाव बढ़ाना।	1+1=2
	(ख)	(ख)	(ख)	• ऐसे व्यक्ति जिनमें भक्तिभाव की ज्वाला जगी नहीं है। • उनके भीतर ईश्वर से मिलने की तड़प और समर्पण का भाव जगाना चाहते हैं।	1+1=2
	(ग)	(ग)	(ग)	• ईश्वर से • भयमुक्त होकर बाधाओं को दूर करने की शक्ति माँगता है। आत्मबल व पुरुषार्थ की कामना करता है।	½ +½ =1

अंक-योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 1	2	3	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
12	12	–	–	• देश की रक्षा करते समय होने वाली मृत्यु को अच्छा कहा गया है। • देशभक्ति और बलिदान की भावना जगाने के लिए। संदेश – देश के लिए समर्पण एवं बलिदान का। (उपयुक्त विस्तार अपेक्षित)	2+2+1=5
	–	12	–	• राजा रंतिदेव, ऋषि दधीचि, उशीनर, कर्ण, महात्मा बुद्ध। • निस्वार्थ भाव, त्याग, समर्पण, परोपकार, दानवीरता तथा शरणागत की रक्षा। (उपयुक्त विस्तार अपेक्षित)	2+3=5
	–	–	12	• भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि में। • प्रतिपाद्य – देशभक्ति की भावना सर्वोपरि है। अपने प्राणों का बलिदान देकर भी देश की रक्षा करने का सिलसिला जारी रखना चाहिए। • हमें देश की मर्यादा एवं मान-सम्मान को ठेस पहुँचाने वाले दुश्मनों को मुँहतोड़ जवाब देना चाहिए। (उपयुक्त विस्तार अपेक्षित)	1+4=5
13	13	13	13	• धार्मिक सद्भावना • आत्मीयता व सच्ची मित्रता का भाव • सुख-दुख में सहभागी होना • मनोभावों को समझना • समस्याओं का मिलजुलकर समाधान करना (विस्तारपूर्वक उपयुक्त समीक्षा पर अंक दिए जाएँ)	5

अंक–योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा – दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
	1	2	3		
				खंड 'घ'	
14	14	14	15	अनुच्छेद लेखन	
				• विचारों की मौलिकता	2
				• प्रस्तुति	2
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5
15	15	15	14	पत्र लेखन	
				• प्रारूप	1
				• विषयवस्तु	3
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5
16	16	16	17	सूचना लेखन	
				• प्रारूप एवं प्रस्तुति	1+1
				• विचारों की मौलिकता	2
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5
17	17	17	18	संवाद लेखन	
				• प्रस्तुति	2
				• विचारों की मौलिकता	2
				• विषयानुकूल भाषा	1
					5

अंक-योजना मार्च, 2016

प्रश्न पत्र संकलित परीक्षा II 4/1/1, 4/1/2, 4/1/3

विषय : हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब') कक्षा - दसवीं

प्रश्न	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक और अंक-विभाजन
	1	2	3		
18	18	18	16	विज्ञापन लेखन • प्रस्तुति • विचारों की मौलिकता • विषयानुकूल भाषा	 2 2 1 5